दैनिक सामयिकी: ०८.०६.२०२१

परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2019-20

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री, रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2019-20 जारी किया।
- PGI: 2019-20 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के लिए **तीसरा प्रकाशन है।**

प्रमुख बिंदु

<u>कार्यान्वयन एजेंसी</u>

- यह योजना स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (DoSEL) द्वारा शुरू की गई है।

<u>परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) के बारे में</u>

- PGI राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कमी की तरफ इंगित करने में मदद देगा और उसी के अनुसार कार्यक्रम के क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो कि **स्कूली शिक्षा प्रणाली** सभी स्तरों पर मजबूत है।
- सरकार ने **स्कूली शिक्षा के क्षेत्र** में परिवर्तनकारी बदलाव को उत्प्रेरित करने के लिए **70 मानकों के एक सेट के साथ प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स** की शुरुआत की है।

नोट:

- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए PGI **पहली बार 2019 में 2017-18 के संदर्भ में प्रकाशित** हुआ था।

<u>समग्र परिणाम और निष्कर्ष</u>

- **पंजाब, तमिलनाडु, चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और केरल** ने 2019-20 के लिए उच्चतम स्कोर (ग्रेड I++) प्राप्त किया।

ग्रेड (स्कोर)	**राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के नाम**
स्तर I (951 - 1000)	शून्य
स्तर II (901 - 950), ग्रेड I ++	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, पंजाब, केरल, तमिलनाडु

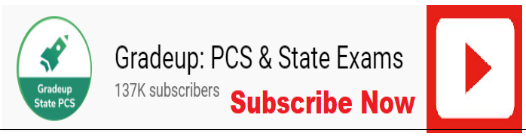

स्तर III (851 - 900) ग्रेड I+	दादरा और नगर हवेली, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, पुडुचेरी, राजस्थान
स्तर IV (801-850) ग्रेड I	आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन और दीव, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश
स्तर V (751 - 800) ग्रेड II	गोवा, उत्तराखंड, झारखंड, लक्षद्वीप, मणिपुर, सिक्किम, तेलंगाना
लेवल VI (701 - 750) ग्रेड III	असम, बिहार, मध्य प्रदेश, मिजोरम
लेवल VII (651 - 700) ग्रेड IV	अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, नागालैंड
लेवल VIII (601 - 650) ग्रेड V	मेघालय
लेवल XI (551 - 600) ग्रेड VI	शून्य
लेवल X (0 - 550) ग्रेड VII	लद्दाख

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, पुड्डुचेरी, पंजाब तथा तमिलनाडु ने समग्र PGI स्कोर में 10 प्रतिशत का सुधार किया है यानी 100 या अधिक अंक।

स्रोत: PIB

SAGE (सीनियरकेयर एजिंग ग्रोथ इंजन) पहल और SAGE पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए SAGE (सीनियरकेयर एजिंग ग्रोथ इंजन) पहल और SAGE पोर्टल लॉन्च किया।
- **सिल्वर अर्थव्यवस्था** को बढ़ावा देने के लिए **100 करोड़ रुपये** की राशि आवंटित की गई है।
- **सिल्वर अर्थव्यवस्था के बारे में:** यह वृद्ध और वृद्ध लोगों की क्रय क्षमता का उपयोग करने और उनके उपभोग, रहने और स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, वितरण और खपत की प्रणाली है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

SAGE पोर्टल के बारे में

- SAGE पोर्टल भरोसेमंद स्टार्टअप के जरिए बुजुर्गों की देखभाल में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करने वाला "वन-स्टॉप एक्सेस" होगा।
- बुजुर्गों की देखभाल के लिए सेवाएं प्रदान करने के क्षेत्र में उद्यमिता में रुचि रखने वाले व्यक्तियों को सहयोग देने के लिए SAGE कार्यक्रम और SAGE पोर्टल शुरू किया गया है।
- SAGE के तहत चुने गए स्टार्ट-अप वे होंगे जो स्वास्थ्य, यात्रा, वित्त, कानूनी, आवास, भोजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बुजुर्ग व्यक्तियों को नए और इन्नोवेटिंग उत्पाद और सेवाएं प्रदान करेंगे।
- **चालू वित्त वर्ष यानी 2021-22** में SAGE परियोजना के लिए **25 करोड़ रुपये का आवंटन** किया गया है।
- SAGE कार्यक्रम बुजुर्गों के लिए स्टार्ट-अप पर अधिकार प्राप्त विशेषज्ञ समिति (EEC) रिपोर्ट की सिफारिशों पर बनाई गई है।

पहल की आवश्यकता

- भारत में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है और सर्वेक्षणों के अनुसार, देश में कुल आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 2001 में 7.5 प्रतिशत से बढ़कर 2026 तक लगभग 12.5 प्रतिशत और 2050 तक 19.5 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है।

बुजुर्ग लोगों के लिए अन्य सरकारी पहल

- वृद्ध व्यक्तियों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (IPOP)
- राष्ट्रीय वयोश्री योजना (RVY)
- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना (PMVVY)
- वयोश्रेष्ठ सम्मान
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण (MWPSC) अधिनियम, 2007
- वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

भारत की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2021

चर्चा में क्यों?

- भारत की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार, **17 सतत विकास लक्ष्यों (SDG)** पर भारत की स्थिति पिछले वर्ष से दो स्थान फिसलकर **117** पर आ गई है।
- रिपोर्ट **सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE), नई दिल्ली, भारत** द्वारा जारी की गई है।
- 2020 में भारत की रैंक 115 थी।

प्रमुख बिंदु

- भारत का समग्र SDG **स्कोर 100 में से 61.9** है।
- भारत चार दक्षिण एशियाई देशों-भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल से नीचे था।
- 2015 में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों द्वारा 2030 के एजेंडे के हिस्से के रूप में SDG लक्ष्यों को अपनाया गया था।

रैंक में गिरावट का कारण

- इसका कारण देश में भूख को समाप्त करना और खाद्य सुरक्षा (SDG 2) प्राप्त करना, लैंगिक समानता (SDG 5) प्राप्त करना और लचीला बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और स्थाई औद्योगीकरण को बढ़ावा देना और नवाचार को बढ़ावा देना (SDG 9) जैसी प्रमुख चुनौतियां हैं।

राज्यवार तैयारी

- भारत की पर्यावरण रिपोर्ट 2021 के अनुसार, केरल, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ सर्वश्रेष्ठ समग्र स्कोर के साथ SDG प्राप्त करने के पथ पर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं।
- वर्ष 2030 तक SDG को पूरा करने के लिए बिहार और झारखंड सबसे कम तैयार हैं

स्रोत: हिन्दू

डॉ पैट्रिक अमोथ WHO कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित

चर्चा में क्यों?

- केन्या के डॉ पैट्रिक अमोथ को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- डॉ अमोथ केन्या के स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य के लिए कार्यवाहक महानिदेशक (DG) हैं।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन की जगह ली जिन्होंने 02 जून को WHO कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया|

WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के बारे में तथ्य:

- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- **स्थापना:** 7 अप्रैल 1948
- **महानिदेशक:** डॉ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयियस

स्रोत: द इकोनॉमिक टाइम्स

अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2021: डेविड डियोप पहले फ्रांसीसी विजेता बने

चर्चा में क्यों?

- फ्रांसीसी उपन्यासकार डेविड डियोप ने **'एट नाइट ऑल ब्लड इज ब्लैक' के** लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2021 जीता|

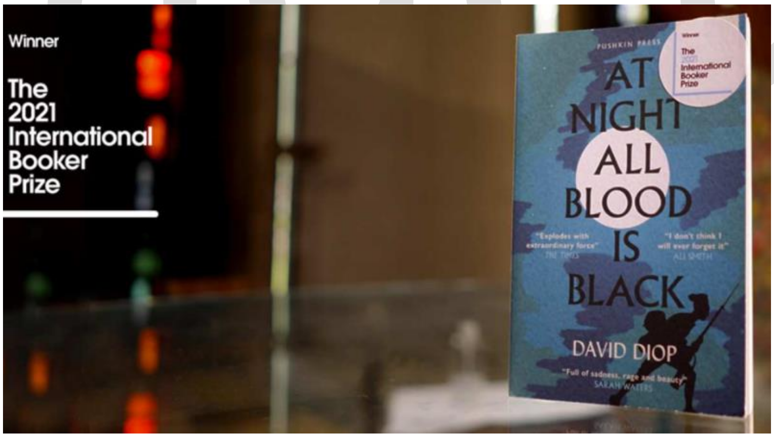

प्रमुख बिंदु

- पुस्तक का अनुवाद **अन्ना मोस्कोवाकिस** ने किया था|
- विजेता पुस्तक पहली बार 2018 में फ्रांसीसी शीर्षक **'फ्रेरे डी' एमे'** के साथ प्रकाशित हुई थी|
- इसे **पुश्किन प्रेस द्वारा प्रकाशित किया** गया था|

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, जिसे पहले मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में जाना जाता था, 2005 से प्रदान किया जाता है|

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

07 जून, विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हर साल 7 जून को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य जागरूकता फैलाना, खाद्य जनित जोखिमों का पता लगाना और उन्हें रोकना, खाद्य सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक समृद्धि, कृषि, बाजार पहुंच, पर्यटन और सतत विकास में योगदान देना है।

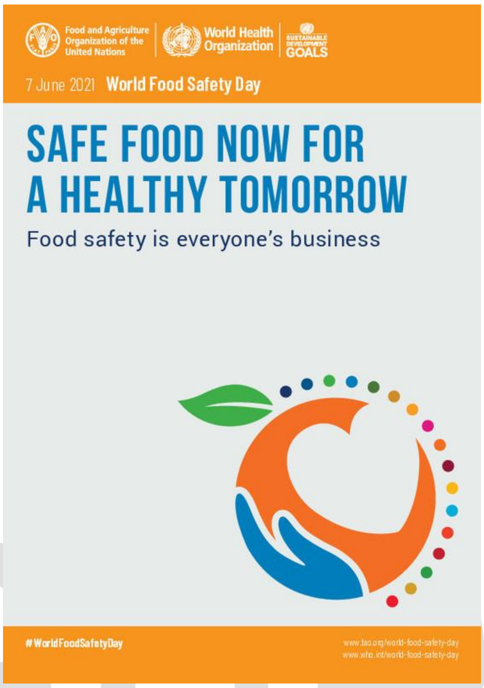

प्रमुख बिंदु

- विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2021 का **विषय "सेफ फूड टुडे फॉर ए हेल्दी टुमारो"** है।

इतिहास

- 2018 में, **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने घोषणा की कि हर साल 7 जून को **विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के** रूप में मनाया जाएगा।
- **खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** और **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** द्वारा संयुक्त रूप से पालन की सुविधा प्रदान की जाती है।

नोट:

- 2020 में विश्व स्वास्थ्य सभा ने खाद्य सुरक्षा और खाद्य जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए दुनिया भर में प्रयासों को मजबूत करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया।
- 2030 तक, खाद्य जनित बीमारियों के सालाना 150 से 177 मिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, असुरक्षित भोजन हर साल अनुमानित 420,000 लोगों की जान लेता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

08 जून, विश्व महासागर दिवस 2021

चर्चा में क्यों?

- विश्व महासागर दिवस 8 जून को मनाया जाता है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

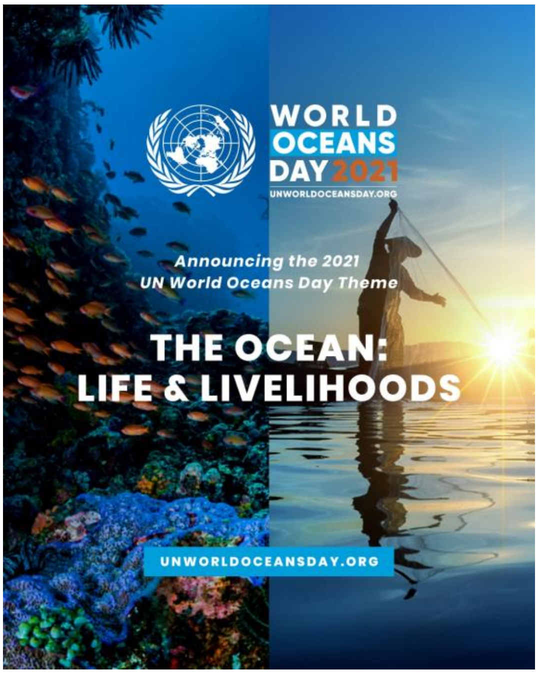

- विश्व स्तर पर लोगों के रोजमर्रा के जीवन में महासागर एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

प्रमुख बिंदु

- विश्व महासागर दिवस 2021 का **विषय 'द ओशन: लाइफ एंड लाइवलीहुड'** है।

<u>इतिहास</u>

- 2008 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने फैसला किया कि 8 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा "विश्व महासागर दिवस" के रूप में नामित किया जाएगा।

नोट:

- तीन अरब से अधिक लोग अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर निर्भर हैं।
- समुद्र का केवल एक प्रतिशत ही कानूनी रूप से संरक्षित है।
- हम जिस ऑक्सीजन में सांस लेते हैं उसका लगभग 70 प्रतिशत महासागरों द्वारा निर्मित होता है।
- समुद्री प्रजातियों का विश्व रजिस्टर (WoRMS) के अनुसार, वर्तमान में कम से कम 236,878 नामित समुद्री प्रजातियां हैं।
- सभी ज्वालामुखीय गतिविधियों का 90 प्रतिशत महासागरों में होता है।

स्रोत: NDTV

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now